देहरादून (उत्तराखण्ड)

शुक्रवार 08.08.2025

समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- उत्तरकाशी जिले के आपदाग्रस्त धराली–हर्षिल क्षेत्र में राहत और बचाव अभियान जारी। 372 लोगों को हेलिकॉप्टर से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया गया।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्राथमिकता के आधार पर रोड कनेक्टीविटी को बहाल करने और धराली–हर्षिल क्षेत्र में मूलभूत सुविधाएं जल्द सुचारू करने के निर्देश दिए।
- चमोली जिले के पीपलकोटी में भारी भूस्खलन के कारण बद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब की यात्रा पर अस्थायी रूप से रोक लगाई गयी।
- प्रदेश में मानसून सक्रिय। मौसम विभाग ने 11 अगस्त तक राज्य के अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी जारी की।

धराली–हर्षिल

उत्तरकाशी जिले के आपदा प्रभावित धराली–हर्षिल क्षेत्र में सेना, वायुसेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस और जिला प्रशासन राहत और बचाव कार्यों में जुटे हुए हैं। अब तक आपदा प्रभावित क्षेत्रों से कई लोगों को हेलीकॉप्टरों की मदद से आईटीबीपी मातली कैंप और जौलीग्रांट, देहरादून हेलीपैड तक सुरक्षित पहुंचाया गया है। इस अभियान में चिनूक और एमआई–17 एयरलिफ्टिंग संसाधनों की मदद ली जा रही है। आपदा प्रबंधन के सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया कि हर्षिल, नेलांग और मातली में फंसे 372 लोगों को हेलीकॉप्टर से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में फंसे लोगों तक हेलीकॉप्टरों के जरिए राहत सामग्री, पेयजल, दवाइयां और खाद्यान्न पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि धराली आपदा के कारण जिन लोगों के आवासीय भवन और व्यवसाय क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनके लिए सामुदायिक रसोई की व्यवस्था की जा रही है।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, प्राकृतिक आपदा में अब तक दो शव बरामद हुए हैं, जबकि सेना के 09 जवानों समेत करीब 16 लोग लापता हैं।

सीएम आपदा समीक्षा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कल देर रात उत्तरकाशी स्थित आपदा नियंत्रण कक्ष से जिले में चल रहे आपदा राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्य सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की।

मुख्यमंत्री ने बादल फटने, भूस्खलन और भारी बारिश से प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और उनके लिए भोजन, पानी तथा चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर सड़क संपर्क बहाल करने और युद्धस्तर पर अभियान चलाकर धराली हर्षिल क्षेत्र में बिजली, पानी, संचार जैसी बुनियादी सुविधाएं जल्द बहाल करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने आपदा प्रभावित क्षेत्र से मातली और देहरादून लाए जा रहे लोगों को उनके गंतव्यों तक पहुंचाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री लगातार आपदा की स्थिति की जानकारी ले रहे हैं और आपदा से निपटने के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है।

बदरीनाथ यात्रा पर रोक

चमोली जिले में पीपलकोटी से करीब एक किलोमीटर आगे भारी भूस्खलन के कारण प्रशासन ने बद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब की यात्रा पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। तीर्थयात्रियों के वाहनों को ज्योतिर्मठ, पाखी, हेलंग, पीपलकोटी, चमोली और गौचर में रोक दिया गया है। चमोली के जिलाधिकारी संदीप तिवारी और अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश ने भूस्खलन क्षेत्र का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने बताया कि राजमार्ग का 30 मीटर हिस्सा ध्वस्त हो गया है और अवरुद्ध मार्ग को खोलने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री एक माह का वेतन

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एक माह के वेतन को आपदा राहत कार्यों के लिए देंगे। श्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार आपदा प्रभावित लोगों के साथ हर कदम पर खड़ी है और इस कठिन परिस्थिति में सभी को

एकजुट होकर पीड़ितों की सहायता करनी चाहिए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, स्वयंसेवी संगठनों और आम नागरिकों से अपनी क्षमता के अनुसार राहत कार्यों में सहयोग करने की अपील की है।

उधर, उत्तराखण्ड आईएएस एसोसिएशन भी एक दिन का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में देगा। एसोसिएशन के सचिव दिलीप जावलकर ने कहा कि ऐसी आपदाओं के समय प्रत्येक अधिकारी, कर्मचारी और नागरिक की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह पहल संवेदना से परिपूर्ण प्रशासनिक सेवा की उस भावना को पुष्ट करती है, जिसमें जनहित सर्वोपरि होता है।

अफवाह

धराली आपदा को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट और वीडियो के माध्यम से झूठी सूचनाएं प्रचारित कर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ आपदा अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए शासन– प्रशासन ने अधिकारियों को सोशल मीडिया पर निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन ने आम लोगों से किसी भी प्रकार की अफवाहों से सावधान रहने और अफवाह फैलाने वाले लोगों की सूचना तत्काल प्रशासन को देने का अनुरोध किया है। धराली आपदा को लेकर कुछ लोग सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट और वीडियो के माध्यम से झूठी सूचनाएं देकर आम जनता को गुमराह कर रहे हैं। शासन प्रशासन ने इसका संज्ञान लेते हुए ऐसे लोगों के खिलाफ आपदा एक्ट के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

अध्यक्ष/उपाध्यक्ष चुनाव

हरिद्वार जिले को छोड़कर प्रदेश के 12 जिलों में जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष और क्षेत्र पंचायतों के प्रमुख, ज्येष्ठ उप प्रमुख और कनिष्ठ उप प्रमुख के पदों के चुनाव के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने अधिसूचना जारी कर दी है। अधिसूचना के अनुसार इन पदों के लिए नामांकन और नामांकन पत्रों की जांच 11 अगस्त को होगी, जबकि 12 अगस्त को नामांकन वापसी की तिथि तय की गई है। मतदान और मतगणना 14 अगस्त को होगी। अधिसूचना जारी होने के बाद राज्य के 12 जिलों में मतगणना की समाप्ति तक आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है।

मौसम

प्रदेश में मॉनसून सक्रिय बना हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून ने 11 अगस्त तक राज्य के अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। विभाग के अनुसार आज देहरादून, उत्तराकाशी,

चमोली, पौड़ी, बागेश्वर, पिथौरागढ़, ऊधमसिंह नगर, चम्पावत और नैनीताल जिले के कुछ हिस्सों में तेज बारिश के आसार बने हुए हैं। यही स्थिति अगले दो दिनों तक बनी रहेगी। विभाग ने इस अवधि में लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने और मौसम खराब होने की स्थिति में सुरक्षित स्थानों पर रुकने की सलाह दी है।

और अब एक नजर आज के समाचार पत्रों की सुर्खियों पर——

उत्तरकाशी जिले के धराली में युद्धस्तर पर चल रहे राहत और बचाव कार्य की खबर को सभी समाचार पत्रों ने सचित्र प्रमुखता से प्रकाशित किया है।

नवोदय टाइम्स का शीर्षक है— धामी सरकार ने राहत बचाव पर झोंकी ताकत। इस खबर पर हिन्दुस्तान लिखता है— हर्षिल—गंगोत्री से 367 लोग निकाले गये।

अमर उजाला ने लिखा है — मौसम खुलते ही बचाव कार्यों ने पकड़ी रफ्तार।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर टैरिफ बढ़ाये जाने के पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिक्रिया को सभी समाचार पत्रों ने प्रमुखता दी है। राष्ट्रीय सहारा लिखता है— किसानों के हितों से समझौता कभी नहीं।

प्रधानमंत्री के हवाले से हिंदुस्तान समाचार पत्र लिखता है— किसानों के हितों से कभी भी समझौता नहीं करेंगे।